विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – सप्तम **दिनांक -16 - 08 - 2021**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज समास के बारे में अध्ययन करेंगे

तत्पुरुष समास

→ जिस समास में दूसरा पद प्रधान हो और समास करने पर कारक चिह्न का लोप हो जाए उसे तत्पुरुष समास कहते हैं |

तत्पुरुष समास के भेद

1. **कर्म तत्पुरुष**
2. **करण तत्पुरुष**
3. **संप्रदान तत्पुरुष**
4. **अपादान तत्पुरुष**
5. **संबंध तत्पुरुष**
6. **अधिकरण तत्पुरुष**

कर्म तत्पुरुष → "को"

जैसे → चित्तचोर = चित्त को चुराने वाला

मनोहर = मन को हरने वाला

स्वर्गत = स्वर्ग को गया हुआ

करण तत्पुरुष → "से" अथवा "द्वारा"

जैसे → धनरहित = धन से रहित

वाल्मीकिरचित = वाल्मीकि द्वारा रचित

संप्रदान तत्पुरुष → के लिए

जैसे → देशभक्ति = देश के लिए भक्ति

सत्याग्रह = सत्य के लिए आग्रह

अपादान तत्पुरुष → "से"

जैसे → भयमुक्त = भय से मुक्त

विधाहीन = विधा से हीन

संबंध तत्पुरुष→ "का, के, की"

जैसे → सेनानायक = सेना का नायक

यमुनातट = यमुना का तट

राजपुत = राजा का पुत्र

अधिकरण तत्पुरुष→ "में" या "पर"

जैसे → नीतिकुशल = नीति में कुशल

दानवीर = दान में वीर

कर्मधारय समास

जैसे →

चंद्रमुख = चंद्र जैसा मुख

उपमान = चंद्र

उपमेय = मुख

महापुरुष = महान है जो पुरुष

विशेषण = महा (महान)

विशेष्य = पुरुष

जिस समास के पहले तथा दूसरे पद में विशेषण, विशेष्य अथवा उपमान उपमेय का संबंध होता है, उसे कर्मधारय समास कहते हैं |

1. पूर्व (पहला) पद विशेषण तथा उत्तर (दूसरा) पद विशेष्य →

समस्तपद – नीलकमल

विशेषण – नील

विशेष्य – कमल